कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर–228118
Kamla Nehru Institute of Physical & Social Sciences, Sultanpur-228118
सम्बद्धः डॉ. रा.म.लो. अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वायत्त संस्था नैक (NAAC) द्वारा 'A' श्रेणी में मूल्यांकित)
(Accredited in 'A' grade by NAAC)
Email_ID: principalknipss@gmail.com, Website: www.knipss.ac.in
☎ & Fax: 05362-240854
Mob.No.: 9415961500

पत्रांकः

दिनांकः **06/06/2020**

प्रेस विज्ञप्ति – अन्तर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

आज दिनांक 06.06.2020 को प्रातः 10:00 बजे कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर में हिन्दी विभाग द्वारा 'वैश्विक महामारी कोरोना के संदर्भ में साहित्य एवं समाज की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी का प्रारम्भ स्वागत एवं परिचय के साथ विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. प्रतिमा सिंह ने किया। बीज वक्तव्य के रूप में प्राचार्य डॉ. राधेश्याम सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि साहित्य वेदना और पीड़ा से जन्मने वाला एक सांस्कृतिक व्यापार है। इसका मूल कर्म प्रतिरोध है। वह साहित्य के माध्यम से मानसिक तंतुओं को प्रभावित करने वाला एक रसायन है। नार्वे से मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित भारतीय–नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम, नार्वे के अध्यक्ष श्री सुरेश चन्द्र शुक्ल ने इस संकट की घड़ी में व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता बताया। हिन्दी अथवा मातृभाषा के प्रति हीनभावना को त्याग कर हमें प्रवीण बनना होगा। विशिष्ट वक्ता के रूप में आलोचक प्रो0 सूरज बहादुर थापा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने कहा कि कोरोना काल साहित्य का आनन्दकाल नहीं है। यह चिंतनकाल है, जहां हमें लोकतांत्रिक यात्रा और विकास के नये मॉडल को समझना होगा। अतिथि वक्ता के रूप में संस्थान के पूर्व प्राचार्य प्रो0 यशवन्त सिंह ने कहा समय के इस जटिल दौर में हमें नये सिरे से चुनौतियों का सामना करने के लिए सजग और आत्मचिंतन के लिए तैयार रहना चाहिए। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रसिद्ध साहित्यकार एवं आलोचक प्रो. विजय बहादुर सिंह ने कहा कि साहित्य मनुष्य की संवेदनात्मक सृष्टि है। साहित्य को अपनी अस्मिता, चेतना और सच को बचाये रखने की कोशिश करना है, ताकि करूणा, संवेदना और मानवीयता बची रहे। संस्थान के उप प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार सिंह ने अतिथि वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कोरोना संकट ने जो नकारात्मकता समाज में उत्पन्न की है, साहित्य और साहित्यकार की भूमिका उसमें महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रगान के साथ वेब संगोष्ठी के समापन की औपचारिक घोषणा की गयी।

(डॉ. राधेश्याम सिंह)
प्राचार्य